केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी देश की एकता में सबसे अधिक सहायक सिद्ध होगी, इसमें दो राय नहीं।

(जवाहर लाल नेहरू)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

कोई भी भारतीय दो-तीन वर्षों में हिंदी में प्रशासकीय कार्य करने की योग्यता प्राप्त कर सकता है।

(हरिबाबू कंसल)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

जितना सम्मान हम राष्ट्रध्वज का करते हैं, उतना ही सम्मान हमें राष्ट्रभाषा हिंदी का करना चाहिए |

राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगीत, राष्ट्रचिह्न की तरह ही राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रति श्रद्धा आवश्यक है।

(डॉ. कर्ण सिंह)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

यदि भारतीय लोग कला, संस्कृति और राजनीति में एक रहना चाहते हैं, तो इसका माध्यम हिंदी ही हो सकता है।

(चक्रवर्ती राजगोपालाचारी)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

हिंदी का पौधा दक्षिण वालों ने अपने त्याग से सींचा है।

(शंकर राव कप्पीकेरी)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

सबको हिंदी सीखनी चाहिए, उसके द्वारा भाव-विनिमय से सारे भारत को सुविधा होगी।

(चक्रवर्ती राजगोपालाचारी)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

देश में विज्ञान का स्तर अंग्रेजी के माध्यम से नहीं,
हिंदी के माध्यम से ऊंचा उठ सकता है।

(राजर्षि पुरूषोत्तम दास टंडन)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

यह सच है कि कोई भी देश अपनी मातृभाषा के द्वारा ही आगे बढ़ सकता है। हम दूसरी भाषा सीख सकते हैं, बोल सकते हैं लेकिन नए विचार उसमें पैदा नहीं होते। नए विचार केवल अपनी मातृभाषा के द्वारा ही निकल सकते हैं।

(श्रीमती इंदिरा गांधी)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

हमें भारत की सभी भाषाओं को आगे बढ़ाना है, प्रोत्साहन देना है और हिंदी का तो एक विशेष स्थान है ही। हम चाहते हैं कि जल्दी से जल्दी भारत के सभी लोग अगर हिंदी न बोल सकें तो कम से समझ तो सकें। मैं समझती हूं कि यह काम आगे बढ़ रहा है।

(श्रीमती इंदिरा गांधी)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

दुनिया भर में शायद ही ऐसी विकसित साहित्य भाषा हों जो सरलता में और अभिव्यक्ति की क्षमता में हिंदी की बराबरी कर सके।

(फादर कामिल बुल्के)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

हिंदी हमारे देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत है।

(माखन लाल चतुर्वेदी)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

अपनी मातृभाषा बांग्ला में लिखकर मैं 'बंगबंधु' तो हो गया, किंतु 'भारतबंधु' मैं तभी हो सकूंगा, जब भारत की राष्ट्रभाषा में लिखूंगा।

(बंकिम चंद्र चटर्जी)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

हिंदी की बात बहुत होती है, हिंदी में बात कम होती है। यदि हिंदी में बात ज्यादा होने लगे तो हिंदी की समस्या ही हल हो जाए।

(अटल बिहारी वाजपेयी)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

हिंदी राष्ट्रीयता के मूल को सींचती है और दृढ़ करती है। देश का काई भी सच्चा प्रेमी हिंदी का तिरस्कार नहीं कर सकता।

(महात्मा गांधी)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

मैं दुनिया की सभी भाषाओं की इज्जत करता हूं पर मेरे देश में हिंदी की इज्जत न हो, यह मैं सह नहीं सकता|

(आचार्य विनोबा भावे)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

जिस देश को अपनी भाषा और साहित्य का गौरव का अनुभव नहीं है, वह उन्नत नहीं हो सकता |

(डॉ. राजेंद्र प्रसाद)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

देवनागरी लिपि दुनिया की सबसे वैज्ञानिक लिपि है।

(राहुल सांकृत्यायन)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्त्रोत है।

(सुमित्रानंदन पंत)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

सभी भारतीय भाषाओं के लिए यदि कोई एक लिपि आवश्यक है तो वह देवनागरी ही हो सकती है।

(जस्टिस कृष्णस्वामी अय्यर)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है।

(कमलापति त्रिपाठी)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है।

(महात्मा गांधी)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

प्रान्तीय ईर्ष्या-द्वेष को दूर करने में जितनी सहायता हिंदी प्रचार से मिलेगी, उतनी दूसरी किसी चीज़ से नहीं मिल सकती।

(सुभाषचंद्र बोस)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

हिंदी किसी एक प्रदेश की भाषा नहीं बल्कि देश में सर्वत्र बोली जाने वाली भाषा है।

(विलियम केरी)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

(दिनांक 28 सितम्बर, 2016)

हिंदी आम बोलचाल की 'महाभाषा' है।

(जॉर्ज ग्रियर्सन)